Syllabus (CBSC) for M.A.- I Hindi
From June 2022

Name of the Programme	: M. A. Hindi
Programme Code	: PAHN
Class	: M.A.- I
Semester	: I
Course Name	: **प्रश्नपत्र–5 विशेष स्**rj % e/;;qxhu fganh dkO; ¼tk;lh] fcgkjh vkSj Hkw"k.k½
Course Code	: PAHN121
No. of Lecture	: 60

Course Outcome :

1. मध्ययुगीन कवियों के विचारों को पढकर भावग्रहण तथा रसग्रहण की क्षमता निर्माण होगी।
2. मध्ययुगीन कवियों की भाषा का परिचय होगा।
3. साहित्य सृजन की प्रेरणा निर्माण होगी।
4. मध्ययुगीन संस्कृति का परिचय होगा।
5. सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों से परिचित होगें।

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

rqG tkjke prqjpUn egkfon~;ky;] ckjkerh

¼dyk] foKku o okf.kT;½

(स्वायत्त)

,e- ,- ¼Hkkx&1½

lsfeLVj	isij dksM ua-	isij dk uke	ØsfMV
II	**PAHIN 121**	**प्रश्नपत्र–5 विशेष स्त**rj % e/;;qxhu fgUnh dkO; ¼tk;lh] fcgkjh vkSj Hkw"k.k½	04

,e-,- ¼fgnh½ nforh; l=

प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर

e/;;xhu fgnh dk0;

¼tk;lh] fcgkjh rFkk Hkw"k.k½

PAPER CODE : PAHIN 121

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/ØfMV¾ 04½

ikB;Øe

शैक्षिक वर्ष : [2022-23 l=]

<u>उद्देश्य</u> (<u>Objectives</u>) %

1. हिंदी के भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृतियों की जानकारी देना।
2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना ।
3. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना ।
4. मध्ययुगीन कवियों के सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से अवगत कराना।

<u>vif{kr ifj.kke</u> **(<u>Outcomes</u>)** %

1. मध्ययुगीन कवियों के विचारों को पढकर भावग्रहण तथा रसग्रहण की क्षमता निर्माण होगी।
2. मध्ययुगीन कवियों की भाषा का परिचय होगा।
3. साहित्य सृजन की प्रेरणा निर्माण होगी।
4. मध्ययुगीन संस्कृति का परिचय होगा।
5. सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों से परिचित होगें।

<u>v/;kiu in/kfr</u> **(<u>Pedagogy</u>)** %

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अध्ययन यात्रा ।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

ikB~;iqLrd%

1½ inekor % efyd eqgEen tk;lh

संपादक : वासुदेवशरण अग्रवाल

प्रकाशक - साहित्य सदन,चिरगाँव झाँसी

1. मानसरोदक खंड – पदक्रम – 50,60,61,62
2. नखशिख खंड – पदक्रम – 99,100,101,102
3. नागमती वियोग खंड – पदक्रम – 341 से 344

¼rkfldk,¡11 ?kaV½

2½ fcgkjh jRukdj % Jh- txUukFk ^jRukdj*

प्रकाशक : प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, सं. – 2006

ससंदर्भ व्याख्या के लिए दोहे : 1, 22, 25, 32, 38, 46, 67, 73, 76, 94, 121, 192, 201, 251, 277, 283 301, 318, 373, 388, 472, 588, 660, 663, 710

¼rkfldk,¡ 11 ?kaV½

3½ jhfrdkO; /kkjk % Lkaikind % Mk-jkepanz frokjh@ Mk-jkeujs'k f=ikBh

प्रकाशक : विश्वविदयालय प्रकाशन, वाराणसी

ससंदर्भ व्याख्या : कवि भूषण के पद : 01 से 10 पद = 10

¼rkfldk,¡ 11 ?kaV½

¼rhuks dh dqy rkfldk,¡ 11+11+08=30?kaV= J`;kd@dekid@dzfMV&02½

v/;;ukFkZ dfo %

1) जायसी 2) बिहारी 3) भूषण

v/;;ukFkZ fo"k; %

1- जायसी & व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2- पद्मावत में प्रेम भाव
3. पद्मावत के काव्य में वियोग वर्णन
4. पद्मावत में सौंदर्य वर्णन
5. पद्मावत में प्रकृति चित्रण
6. पद्मावत में चरित्र–चित्रण
7) पद्मावत की महाकाव्यात्मकता
8) पद्मावत की ऐतिहासिकता

¼rkfldk,¡ 10 ?kaV½

9) बिहारी व्यक्तित्व एवं कृतित्व
10) रीतिसिद्ध कवि बिहारी
11) बिहारी का श्रृंगार वर्णन–संयोग और वियोग वर्णन
12) बिहारी का सौदर्य चित्रण
13) बिहारी की बहुज्ञता
14) बिहारी की भक्तिभावना
15) बिहारी की काव्य कला
16) सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान

¼rkfldk,¡ 10 ?kaV½

17) भूषण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
18) भूषण के काव्य में वीर रस
19) भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना
20) भूषण की काव्य कला
21) भूषण के काव्य की भाषा – शैली
22) रीति काव्य में भूषण का योगदान

¼rkfldk,¡ 10 ?kaV½

¼rhuks dh dqy rkfldk,¡ 10+10+10=30?kaVs= J`;kd@dekd@dfMV & 02½

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / भाषा कौ”ाल / मौखिक प्रस्तुति आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

i{'ui= dk Lo:i

समय : 3 घंटे अंक : 60

प्र”न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्र”न	12
प्र”न क्र. 2) लघुत्तरी प्र”न (50- 60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्र”न क्र. 3) लघुत्तरी प्र”न (100- 120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्र”न (2 में से 1)	12

&&&&&&&&&&&&

lanHkZ xzUFk %

1. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन – प्रो. हरेंद्रप्रताप सिन्हा

2. महाकवि जायसी और उनका काव्य – डॉ. इकबाल अहमद

3. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक

4. जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत

5. पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डाॅ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

6. पद्मावत का काव्य सौंदर्य – डॉ. चंद्रबली पाण्डेय

7. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – डॉ. सुरेश अग्रवाल

8. हिंदी के प्राचीन कवि - डाॅ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

9. पद्मावत – वासुदेव"ारण अग्रवाल

10. काव्य पराग - डॉ. आनंदप्रका"ा दीक्षित

11. जायसी का पद्मावत - अनुप शर्मा

12. बिहारी का तुलनात्मक अध्ययन – पं. पद्मसिंह शर्मा

13. बिहारी और उनका साहित्य – डाॅ. हरवं"ालाल शर्मा / डॉ. परमानंद शास्त्री

14. बिहारी काव्य का मूल्यांकन – कि"ाोरी लाल

15. षट्कवि : विवेचनात्मक अध्ययन – डाॅ. ओमप्रका"ा शर्मा

16. संक्षिप्त भूषण – डॉ. भगवानदास तिवारी

17. भूषण ग्रंथावली – डॉ. वि"वनाथ प्रसाद मिश्र

&&&&&&&&&&&&&

Syllabus (CBSC) for M.A.- I Hindi

From June 2022

Name of the Programme	: M. A. Hindi
Programme Code	: PAHN
Class	: M.A.- I
Semester	: II
Course Name	: i'ui= & 6 **विशेष स्तर** % fgnh ukVd vkj jxep
Course Code	: PAHN122
No. of Lecture	: 60

Course Outcome :

1. दैनिक जीवन में औपचारिक–अनौपचारिक अवसरोंपर उपयोग की जा रही भाषा की समझ होगी।
2. पढी–सुनी रचनाओं को जानना,समझना,अभिव्यक्त करनेमें सहायता मिलेंगी ।
3. अपने स्तरानुकूल दृश्य,श्रव्य माध्यमों की सामग्री पर अपनी राय देने की प्रवृत्ति विकसित होगी।
4. साहित्य की विभिन्न विधाओं की समझ बनना और उसका आनंद उठाने में सहायता मिलेगी।
5. छात्रों में नाट्यकला की रूचि निर्माण करके नाट्यकला का विकास होगा।
6. रोजगार की दृष्टी से नाटक के तकनीकी पक्ष की समझ होगी।

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी dk]

r|G tkjke pr|jp|n egkfon ;ky;] ckjkerh

¼dyk] foKku o okf.kT;½

(स्वायत्त)

,e- ,- ¼Hkkx&1½

l|feLVj	i|i j dkM u-	i|i j dk uke	Øf|MV
II	**PAHN122**	i|'ui= & 6 **विशेष स्तर** ½ fg|nh ukVd vk|j j|xe|p	04

,e-,- ¼fgnh½ nforh; l=

प्रश्नपत्र 6 : विशेष Lrj ¼

fgnh ukVd vkj jxep

PAPER CODE : PAHN122

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

ikB;Øe

(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

उद्देश्य (Objectives) ¼

1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।

2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकास क्रम की जानकारी देना।

3. विधा वि"ोष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना वि"ोष का महत्व

समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।

4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।

vif{kr ifj.kke (Outcomes) ¼

1. दैनिक जीवन में औपचारिक–अनौपचारिक अवसरोंपर उपयोग की जा रही भाषा की समझ होगी।

2. पढी–सुनी रचनाओं को जानना,समझना,अभिव्यक्त करनेमें सहायता मिलेंगी ।

3. अपने स्तरानुकूल दृश्य,श्रव्य माध्यमों की सामग्री पर अपनी राय देने की प्रवृत्ति विकसित होगी।

4. साहित्य की विभिन्न विधाओं की समझ बनना और उसका आनंद उठाने में सहायता मिलेगी।

5. छात्रों में नाट्यकला की रूचि निर्माण करके नाट्यकला का विकास होगा।

6. रोजगार की दृष्टी से नाटक के तकनीकी पक्ष की समझ होगी।

v/;kiu in/kfr (Pedagogy) ¼

1. व्याख्यान तथा वि"लेषण ।

2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।

3. दृक् –श्राव्य माध्यमों /साधनों का प्रयोग ।

4. अतिथि विद्‌वानों के व्याख्यान ।

ikB; iqLrd%

1. नाटक : 'फन्दी' – शंकर शेष
   प्रकाशक : पराग प्रका"ान ,3/114 कर्ण गली,
   वि"वासनगर शाहदरा , दिल्ली –32

¼rkfldk,¡ 15 ?kaV½
J;kd@dekd@ØfMV 01½

2. 'आठवा सर्ग'– सुरेंद्र वर्मा
   प्रकाशक :राधाकृष्ण प्रका"ान प्रा. लि.
   2/38 अंसारी मार्ग,दरियागंज दिल्ली – 3

¼rkfldk,¡ 15 ?kaV½
J;kd@dekd@ØfMV 01½

v/;;ukFk fo"k;%

1. हिंदी नाटक विधा का विकास ।
2. नाटक : परिभाषा,स्वरूप तथा तत्व।
3. शंकर शेष : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
4. तत्वों के आधार पर 'फन्दी' नाटक की समीक्षा।
5. 'फन्दी' में चित्रित समस्याएँ।
6. 'फन्दी' : f"ाल्पगत वि"ाषताएँ।
7. 'फन्दी' नाटक की प्रासंगिकता।
8. 'फन्दी' : शीर्षक की सार्थकता।

¼rkfldk,¡ 15 ?kaV½
J;kd@dekd@ØfMV 01½

9. सुरेंद्र वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
10. तत्वों के आधार पर 'आठवा सर्ग' नाटक की समीक्षा।
11. 'आठवा सर्ग' : चित्रित समस्याएँ।
12. 'आठवा सर्ग' : f"ाल्पगत वि"ाषताएँ।
13. 'आठवा सर्ग' : शीर्षक की सार्थकता।
14. 'आठवा सर्ग' नाटक की प्रासंगिकता।

¼rkfldk,¡ 15 ?kaV½
J;kd@dekd@
ØfMV 01½

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक

(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / भाषा कौ”ाल / मौखिक प्रस्तुति आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

i`'ui= dk Lo:i

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्र”न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्र”न	12
प्र”न क्र. 2) लघुत्तरी प्र”न (50- 60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्र”न क्र. 3) लघुत्तरी प्र”न (100- 120 शब्दों में) (3 मेंसे 2)	12
प्र”न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 5) दिर्घोत्तरी प्र”न (2 में से 1)	12

&&&&&&&&&&&&

lanHk xzFk %

1. हिंदी रंगकर्म : द”ाा और दि”ाा – डॉ. जयदेव जनेजा

2. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – डॉ. जयदेव तनेजा

3. समसामयिक हिंदी नाटकों में खंडित व्यक्तित्व अंकन – डॉ. टी. आर. पाटील

4. आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता – डॉ. सत्यवती त्रिपाठी

5. हिंदी नाटक : आज–कल – डॉ. जयदेव तनेजा

6. सातवें द”ाक के प्रतीकात्मक नाटक – रमे”ा गौतम

7. युगबोध और हिंदी नाटक – डॉ. सरिता व”िाष्ठ

8. नव्य हिंदी नाटक – डॉ. सावित्री स्वरूप

9. उत्तर”ाती का हिंदी साहित्य : संपा. डॉ. सुरे”ाकुमार जैन

10.साठोत्तरी हिंदी नाटकों में युगचेतना – डॉ.विजया गाढवे

11. दलित नारी विषयक साठोत्तर हिंदी नाटक : डॉ. प्रतिभा जावळे

12. आधुनिक हिंदी नाटक चरित्र के आयाम - डॉ.लक्ष्मी राय

13. हिंदी नाटक आजतक - डॉ.वीणा गौतम

14. रंगद"र्शन - नैमिचंद्र जैन

15. आधुनिक हिंदी नाटक - गोविंद चातक

———————————————

Syllabus (CBSC) for M.A.- I Hindi

From June 2022

Name of the Programme	: M. A. Hindi
Programme Code	: PAHN
Class	: M.A.- I
Semester	: II
Course Name	: i√'ui= & 7 **विशेष स्तर % पाश्चात्य साहित्यशास्त्र**
Course Code	: PAHN123
No. of Lecture	: 60

Course Outcome :

1. छात्र पा”चात्य साहित्य”ाास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
2. छात्र साहित्य और पा”चात्य साहित्य”ाास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।
3. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।
4. छात्र साहित्य”ाास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होगें।
5. छात्र आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचित होगें।

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

rGtkjke prjpn egkfon;ky;] ckjkerh

¼dyk] foKku o okf.kT;½

(स्वायत्त)

,e- ,- ¼Hkkx&1½

lfeLVj	ikij dkM u-	ikij dk uke	ØfMV
II	**PAHN123**	i'ui=&7 **विशेष स्तर** ¼ **पाश्चात्य साहित्यशास्त्र**	04

,e-,- ¼fgUnh½ nforh; l=

प्रश्नपत्र 7 % विशेष Lrj %

पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

PAPER CODE : PAHN123

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

ikB;Øe

(शैक्षिक वर्ष : 2022&23 l½

उद्देश्य (Objectives) %

1. छात्रों को पा"चात्य साहित्य"ाास्त्र का परिचय देना ।
2. छात्रों को पा"चात्य साहित्य"ाास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना ।
3. छात्रों को पा"चात्य साहित्य"ाास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना ।
4. छात्रों को पा"चात्य साहित्य"ाास्त्र के सिद्धांतो में साम्य–वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान करना ।
5. छात्रों को नई समीक्षा के सिद्धांतो का ज्ञान कराना ।
6. छात्रों को आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना ।
7. साहित्य"ाास्त्रीय अध्ययन के द्वारा छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

vif{kr ifj.kke (Outcomes) %

1. छात्र पा"चात्य साहित्य"ाास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
2. छात्र साहित्य और पा"चात्य साहित्य"ाास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।
3. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।
4. छात्र साहित्य"ाास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होगें।
5. छात्र आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचित होगें।

v/;kiu in/kfr (Pedagogy) %

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोग"ाला का प्रयोग कराना।
5. अतिथि वि"ोषज्ञों के व्याख्यान ।

v/;;ukFk fo"k; %

1. प्लेटो :

   काव्य सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत

2. अरस्तू के काव्य सिद्धांत :

   क) अनुकरण सिद्धांत : अनुकरण सिद्धांत की व्याख्या, प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना।

   ख) विरेचन सिद्धांत : स्वरूप विवेचन, विरेचन का महत्व, त्रासदी विवेचन ।

¼rkfldk,¡ 15 ?kaVs ¾ J;kd@dekd ØfMV& 01 ½

3. उदात्त सिद्धांत :

   उदात्त की व्याख्या, उदात्त के अंतरंग तथा बहिरंग तत्व, काव्य में उदात्त का महत्व, लोंजाइनस का योगदान ।

4. आई. ए. रिचर्डस् का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत : काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप, संप्रेषण सिद्धांत का महत्व, आई. ए. रिचर्डस् का योगदान।

¼rkfldk,¡ 05 ?kaVs + rkfldk,¡ 10 ?kaVs ¾ 15 ?kaVs J;kd@dekd ØfMV& 01 ½

5. इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत : इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी अवधारणा, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत, इलियट का योगदान।

¼rkfldk,¡ 15 ?kaVs ¾ J;kd@dekd@ØfMV&01½

6. विविध वाद सामान्य परिचय :

   क) प्रतीकवाद, बिंबवाद, अभिव्यंजनावाद, अस्तित्ववाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, विखंड़नवाद, उत्तरआधुनिकता – (केवल स्वरूप विवेचन तथा महत्व)

¼rkfldk,¡ 15 ?kaVs ¾ J;kd@dekd@ ØfMV& 01 ½

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक

(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / टयुटोरियल / प्रस्तुतिकरण / क्षेत्रीय अध्ययन / शोध परियोजना आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

i'ui= dk Lo:i

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्र”न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्र”न	12
प्र”न क्र. 2) लघुत्तरी प्र”न (50–60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्र”न क्र. 3) लघुत्तरी प्र”न (100–120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्र”न (2 में से 1)	12

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

lnHk xzFk %

1. अरस्तू का काव्य”ाास्त्र – डॉ. नगेंद्र
2. समीक्षालोक – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. पा”चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. कृष्णदेव शर्मा
4. पा”चात्य काव्य”ाास्त्र– डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
5. पा”चात्य काव्य”ाास्त्र के सिद्धांत – डॉ. शांतिस्वरुप गुप्त
6. पा”चात्य काव्य”ाास्त्र : अधुनातन संदर्भ – डॉ. सत्यदेव मिश्र
7. पा”चात्य साहित्य सिद्धांतः एक विश्लेषण – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
8. आलोचना के आधुनिकतावाद और नई समीक्षा – डॉ. शिवकरण सिंह
9. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद – सुधीश पचौरी
10. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विम”र्ा – सुधीश पचौरी
11. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार – संपा. देवीशंकर नवीन, सु”ाांतकुमार मिश्र
12. भारतीय एवं पा”चात्य काव्य”ाास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. बच्चनसिंह
13. पा”चात्य साहित्यालोचन और हिंदी पर उसका प्रभाव – डॉ. रवींद्रसहाय वर्मा

14. हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास – डॉ. भगवत्‌स्वरूप मिश्र
15. आधुनिक समीक्षा – डॉ. भगवत्‌स्वरूप मिश्र
16. तुलनात्मक साहित्य"ाास्त्र – डॉ. विष्णुदत्त राकेश
17. हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार – डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल
18. पा"चात्य काव्य"ाास्त्र के सि़द्धांत – डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्‌वाज
19. पा"चात्य काव्य"ाास्त्र के सिद्‌धांत – डॉ. भगवत्‌स्वरूप मिश्र
20. साहित्य : विविध वाद – डॉ. ओमप्रका"ा शर्मा

————————————————

Syllabus (CBSC) for M.A.- I Hindi
From June 2022

Name of the Programme	: M. A. Hindi
Programme Code	: PAHN
Class	: M.A.- I
Semester	: II
Course Name	: iz'ui= & 8 **विशेष स्तर % विशेष विधा :** fganh miU;kl
Course Code	: PAHN124
No. of Lecture	: 60

Course Outcome :

1. छात्र उपन्यास विधा से अवगत होंगे।
2. छात्र उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलना करेंगे।
3. छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ेगी।
4. छात्रों में सर्जक, समीक्षा, अनुवाद एवं शोध की दृष्टि का विकास होगा।
5. हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

rqGtkjke prqjpan egkfon;ky;] ckjkerh

¼dyk] foKku o okf.kT;½

(स्वायत्त)

,e- ,- ¼Hkkx&1½

lsfeLVj	isij dksM ua-	isij dk uke	ØsfMV
II	**PAHN124**	iz'ui=&8 **विशेष स्तर** % **विशेष विधा : हिंदी उपन्यास**	04

,e-,- ¼fganh½ nforh; l=

प्रश्नपत्र 8 : विशेष Lrj %

विशेष fo/kk % fganh miU;kl

PAPER CODE : PAHN124

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

ikB~;Øe

(शैक्षिक वर्ष : 2022&23 l½

उद्देश्य (Objectives) %

1. छात्रों को उपन्यास विधा का तात्विक परिचय देना।
2. हिंदी उपन्यास विधा के विकास की जानकारी देना ।
3. हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
4. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
5. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त जीवन विषयक दृष्टिकोण का मूल्यांकन कराना।
6. उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना।
7. छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ाना।

vifjr ifj.kke (Outcomes) %

1. छात्र उपन्यास विधा से अवगत होंगे।
2. छात्र उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलना करेंगे।
3. छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ेगी।
4. छात्रों में सर्जक, समीक्षा, अनुवाद एवं शोध की दृष्टि का विकास होगा।
5. हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।

v/;kiu in~/kfr (Pedagogy) %

1. व्याख्यान तथा वि"लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य साधनों/ माध्यमों का प्रयोग।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. वि"ोषज्ञों के व्याख्यान।
6. अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

विशेष अध्ययन के लिए उपन्यास ¼

1. त्यागपत्र – जैनेंद्रकुमार

   प्रकाशक – पूर्वोदय प्रकाशन, मुंबई

   \+

2. मुक्तिपर्व – मोहनदास नैमिशराय

   प्रकाशक – अनुराग प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

   \+

3. फाँस – संजीव

   प्रकाशक – वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

¼rkfldk,¡ 10 ?kV½ rkfldk,¡ 10 ?kV½ rkfldk,¡ 10 ?kV½ ¾ 30 ?kV½ J;kd@dekd@ØfMV & 02½

v/;;ukFk fo"k; ¼

1. उपन्यास की परिभाषा, स्वरूप तथा उपन्यास के तत्व।
2. हिंदी उपन्यास का विकासक्रम–प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंदयुगीन उपन्यास, प्रेमचंदोत्तर उपन्यास।
3. हिंदी उपन्यासों की प्रवृत्तियाँ–सामाजिक, तिलस्मी, जासूसी, राजनीतिक, आँचलिक, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, जीवनीपरक उपन्यास आदि का अध्ययन।

¼rkfldk,¡ 15 ?kV½ ¾ J;kd@dekd@ØfMV & 01½

4. उपन्यास की विविध शैलियों का अध्ययन–वर्णनात्मक, डायरी, आत्मकथात्मक, पूर्वदीप्ति, चेतनाप्रवाही, संवादात्मक, पत्रात्मक, आदि।
5. त्यागपत्र, मुक्तिपर्व और फाँस उपन्यासों का भाव पक्ष तथा कला पक्ष।
7. त्यागपत्र, मुक्तिपर्व और फाँस उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण।
8. त्यागपत्र, मुक्तिपर्व और फाँस उपन्यासों का वि”ोष अध्ययन।

¼rkfldk,¡ 15 ?kV½ ¾ J;kd@dekd@ ØfMV & 01½

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक

(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / टयुटोरियल / प्रस्तुतिकरण / क्षेत्रीय अध्ययन / शोध परियोजना आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

i;'ui= dk Lo:i

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्र”न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्र”न	12
प्र”न क्र. 2) लघुत्तरी प्र”न (50–60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्र”न क्र. 3) लघुत्तरी प्र”न (100–120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्र”न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्र”न (2 में से 1)	12

&&&&&&&&&&&&&&&&&&

lanHkZ xzaFk %

1. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी
2. उपन्यास स्थिति और गति – डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
3. उपन्यास का काव्यशास्त्र – डॉ. बच्चन सिंह
4. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना – राजेंद यादव
5. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों में चित्रित समाज जीवन – डॉ. विनय चौधरी
6. शिवप्रसाद सिंह का उपन्यास साहित्य – डॉ. राजेन्द्र खैरनार
7. महाकाव्यात्मक उपन्यासों की शिल्पविधि – डॉ. शंकर मुदगल
8. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य – डॉ. राजेंद्र खैरनार
9. श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों का शिल्प विधान – डॉ. पी. व्ही. कोटमे
10. गिरिराज किशोर का उपन्यास साहित्य एक अनु”ीलन – डॉ. सुरेश साळुंके
11. हिंदी साहित्य नए क्षितिज – डॉ. शशिभूषण सिंहल
12. हिंदी उपन्यास समकालीन विम”ा – डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी
13. समकालीन हिंदी उपन्यास : वर्ग एवं वर्ण संघर्ष–डॉ. जालिंदर इंगले
14. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास : नए मूल्य – शशिगुप्ता

15. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र – संपा. नंदकि"ाोर नवल
16. अंबेडकरवादी चिंतन और दलित उपन्यास : डॉ. प्रदीप सरवदे
17. प्रेमचंद के उपन्यास : कथासंरचना – डॉ. मीनाक्षी श्रीवास्तव
18. शिवप्रसाद सिंह के कथा साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. टी. मीनाकुमारी
19. हिंदी के आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन –डॉ. भरतसगरे
20. हिंदी उपन्यास सृजन और सिद्धांत – नरेंद्र कोहली
21. हिंदी उपन्यासों की दि"ाएँ – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ
22. गोदान : संवेदना और ि"ाल्प – डॉ. चंद्रशेखर कर्ण
23. हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यास और उपन्यासकार – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
24. हिंदी उपन्यास : वर्ग एवं वर्ण संघर्ष – डॉ. राजेंद्र खैरनार

————————————